राजस्थान समसामयिकी

मई , 2026

संजीव Telegram, App एवं वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान की आर्थिक समीक्षा एवं बजट का सार संग्रह;
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव App एवं वेबसाइट से आप
Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी मई, 2026
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 1 May, 2026

- **हाल ही में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ने राजस्थान की घरेलू क्रिकेट में खेलने वाले क्रिकेटर के टीए डीए में 100% की वृद्धि की है। अब हर एज ग्रुप के क्रिकेटर्स को प्रतिदिन ₹1000 टीए-डीए मिलेगा।**

  उल्लेखनीय है कि ललित मोदी जब आरसीए के अध्यक्ष बने थे तब क्रिकेटर्स के लिए टीए-डीए की शुरुआत हुई थी। उस समय से अब तक क्रिकेटर्स को सिर्फ 500 रुपए ही मिल रहे थे। यानि करीब 21 साल बाद क्रिकेटर्स के टीए-डीए में बढ़ोतरी की गई है।

Newspaper of 4 May, 2026

- **राजस्थान के तीन जिलों में चंदन वन विकसित होंगे–**

  कर्नाटक और आन्ध्रप्रदेश की तर्ज पर पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान के तीन प्रमुख जिलों में 'चंदन वन' स्थापित किए जाएँगे। 3 मई, 2026 को इसके निर्देश जारी किए।

  चयनित जिले और स्थल–
  - बाँसवाड़ा जिले में घंटाला रेंज के झांतलिया वन खंड में 25 हेक्टेयर भूमि पर इसका विकास किया जाएगा।
  - उदयपुर जिले में पिछोला झील के समीप स्थित कालका माता वन खंड (नर्सरी) और बांकी क्षेत्र में 20-22 हेक्टेयर क्षेत्र में चंदन के वृक्ष लगाए जाएँगे।
  - सिरोही जिले में पिंडवाड़ा क्षेत्र के जनापुर जोड़ में करीब 25-30 हेक्टेयर वन भूमि पर चंदन वन विकसित होगा।

Newspaper of 6 May, 2026

- **देश के विधानमंडलों की समितियों को सशक्त बनाने के लिए समिति प्रणाली पर मंथन; लोकसभा द्वारा गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की द्वितीय बैठक जयपुर में हुई–**

  देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति ने जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के मंथन सभागार में गहन विचार-विमर्श किया।
  - समिति में राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल विधानसभाओं के अध्यक्षों को शामिल किया गया है।
  - इससे पहले समिति की प्रथम बैठक भोपाल में हुई थी। समिति के सभापति मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर है।
  - राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधान सभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा इस समिति के सदस्य हैं।
  - समिति की बैठक के पश्चात् राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि देश में सभी राज्यों के विधानमण्डलों की समितियों की कार्यप्रणाली में एकरूपता लाने के लिए समितियों के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।
  - सभी राज्यों की समिति की कार्य प्रणाली का अध्ययन कर लिया गया है। समितियों को सक्रिय किये जाने की आवश्यकता है।
  - बैठक में तय किया गया है कि उच्च स्तरीय समिति द्वारा तैयार की जाने वाली रिपोर्ट को जून माह में लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

Newspaper of 11 May, 2026

- **त्रिनिदाद और टोबैगो में 'जयपुर फुट' के स्थायी केन्द्र का उद्घाटन किया गया–**

  कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो के पेनाल (दक्षिण त्रिनिदाद) में 'जयपुर फुट' के पहले स्थायी केन्द्र का आधिकारिक उद्घाटन किया गया।
  - 10 मई, 2026 को त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर तथा भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया।
  - इस केन्द्र को आधिकारिक तौर पर 'नेशनल प्रोस्थेटिक सेंटर' का दर्जा दिया गया है, जो पूरे कैरेबियाई क्षेत्र (CARICOM) के लिए बड़ा हब बनेगा।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

- यह केन्द्र 'जयपुर फुट यूएसए' और BMVSS (भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति) के सहयोग से स्थापित हुआ है। यहाँ भारत के विशेषज्ञ गजानंद लांबा स्थानीय तकनीशियनों को प्रशिक्षित करेंगे।

Newspaper of 12 May, 2026

11 मई, 2026 को जयपुर के बी.एम. बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्य-स्तरीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें निम्न कार्यक्रम आयोजित हुए–

- विज्ञान, गणित, नवाचार और अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों हेतु एक नए पुरस्कार **ब्रह्मगुप्त पुरस्कार** की घोषणा की गई।
- युवाओं में तकनीकी रचनात्मकता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जयपुर के कोचिंग हब में 'इनोवेशन सेंटर' स्थापित किया जाएगा।
- हर व्यक्ति तक तकनीक का लाभ पहुँचाने के लिए राज्य-स्तरीय केन्द्रीयकृत ड्रोन सेल की स्थापना तथा 500 से अधिक स्कूलों में रोबोटिक्स लैब शुरू की गई हैं।

Newspaper of 13 May, 2026

'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया-टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पॉलिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट' रिपोर्ट; राजस्थान कक्षा 1 से 12 तक की एकीकृत शिक्षा उपलब्ध करवाने में देश में अव्वल–

- राजस्थान देश का एकमात्र प्रदेश है जहाँ विद्यार्थियों को सर्वाधिक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा एक ही जगह उपलब्ध हो रही है।
- नीति आयोग ने 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया-टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पॉलिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट' की नवीनतम रिपोर्ट में इस उपलब्धि को रेखांकित किया है।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2024-25 में पूरे देश में केवल 5.4 प्रतिशत विद्यालयों में 1 से 12 कक्षा तक एकीकृत शिक्षा सीमित रही। जबकि अकेले राजस्थान में ही आंकड़ा पूरे देश का लगभग 35% दर्ज किया गया है।
- देश का 1 से 12वीं तक की एकीकृत शिक्षा उपलब्ध करवाने वाला हर तीसरा विद्यालय राजस्थान में संचालित है।
- इस प्रकार, प्रदेश के 27 हजार 889 विद्यालय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवा रहे हैं।
- नीति आयोग ने रिपोर्ट में जिक्र किया कि प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक के एकीकृत विद्यालयों की कमी होने से विद्यार्थियों को बार-बार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेना पड़ता है। इसके फलस्वरूप ड्रॉप आउट की संख्या में वृद्धि की आशंका रहती है।
- वहीं, अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में 1 से 12वीं कक्षा तक के एकीकृत विद्यालयों का मजबूत नेटवर्क तैयार हुआ है। इससे शैक्षणिक संकेतकों में अपेक्षित सुधार हो रहे हैं।

Newspaper of 14 May, 2026

मई 2026 में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने प्रो. कैलाश डागा को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर और प्रो. मदन सिंह राठौड़ को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर का कुलगुरु नियुक्त किया है।

एक जिला एक उत्पाद नीति के तहत 18 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 5 परियोजनाएँ स्वीकृत; अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार होंगे–

राज्य सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार कई निर्णय लिए जा रहे हैं।

- इस क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति (ओडीओपी) के तहत चयनित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए 20 लाख रुपये तक का मार्जिन मनी अनुदान सहित अन्य परिलाभ दिए जा रहे हैं।
- अब ओडीओपी उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुकूल बनाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।
- पंच गौरव कार्यक्रम से जुड़ी राज्य स्तरीय समिति ने प्रदेश के पाँच जिलों में कुल 18.19 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाली परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।
- इनका कार्य शीघ्र आरंभ करने के लिए पहले चरण में 10.76 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए हैं।
- दौसा-पत्थर आधारित उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए 3.30 करोड़ रुपये की लागत से टेक्नोलॉजी फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। इससे स्टोन आधारित उत्पादों में आधुनिक कटिंग, डिजाइन और फिनिशिंग में सुधार होगा।
- **चूरू**–लकड़ी से संबंधित उत्पादों की टेस्टिंग सीजनिंग के लिए 2.5 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन बीआईएस टेस्टिंग लैब और सीजनिंग सुविधा स्थापित की जाएगी। इससे हस्तशिल्प उत्पादों की गुणवता में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार अनुकूल उत्पाद तैयार हो सकेंगे।

- **डीडवाना-कुचामन**–स्टोन प्रोसेसिंग के लिए 5.05 करोड़ रुपये की लागत से सीएनसी मशीन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा।
- **फलौदी**–सोनामुखी के लिए 2.35 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन क्लाइमेट-कंट्रोल्ड वेयरहाउसिंग फैसिलिटी स्थापित की जाएगी। इससे सोनामुखी लंबे समय तक खराब नहीं होगी।
- **बालोतरा**–वस्त्र उत्पादों में आधुनिक तकनीक से डिजाइन आदि कार्यों के लिए करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से टेक्सटाइल डिजिटल प्रिंटिंग कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया जाएगा।
- चित्तौड़गढ़ में ओडीओपी उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 2 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी यूटिलिटी सेंटर, हनुमानगढ़ में 1.5 करोड़ रुपये की लागत से रूरल हाट निर्माण, डीडवाना-कुचामन में 20 लाख रुपये की लागत से व्यापार सुविधा केन्द्र, झुंझुनूं में 90 लाख रुपये की लागत से शिल्पग्राम का सुधार एवं नवीनीकरण, कोटा में 30 लाख रुपये की लागत से सीएफसी का विस्तार और राजसमंद में 95 लाख रुपये की लागत से प्रदर्शनी हॉल एवं डिस्प्ले सेंटर का निर्माण शामिल हैं।

■ TELL 14C व्हाट्सएप चैटबॉट लांच; साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय की नई पहल–

साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के गृहमंत्रालय ने व्हाट्सएप आधारित 'TELL 14C चैटबॉट' (93193-01930) प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है।

- ऐसे मामलों में लोग अब व्हाट्सएप नंबर 93193-01930 पर संदिग्ध कॉलर नंबर, फर्जी लिंक, स्क्रीनशॉट, सोशल मीडिया अकाउंट, चैट या अन्य उपलब्ध जानकारी साझा कर सकते हैं, ताकि समय रहते तकनीकी और कानूनी कार्रवाई कर साइबर अपराधियों के नेटवर्क को रोका जा सके।
- 'TELL 14C चैटबॉट' एक संदिग्ध साइबर गतिविधि रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म है, जहाँ केवल साइबर अपराध के प्रयासों की जानकारी दी जा सकती है।
- यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो चुका है या आर्थिक नुकसान हुआ है, तो उसे राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर ही शिकायत दर्ज करनी चाहिए।

ऐसे करें चैटबॉट का उपयोग

- व्हाट्सएप में 93193-01930 नंबर पर चैट शुरू करें।
- रिपोर्टिंग विकल्प में साइबर दोस्त पेज पर नाम, पिनकोड, राज्य, जीपीएस लोकेशन और घटना की तारीख जैसी जानकारी भरनी होगी।
- इसके बाद संदिग्ध वेबसाइट, ईमेल, यूआरएल, यूपीआई या अन्य साइबर माध्यम से जुड़ी जानकारी अपलोड की जा सकती है।
- उपयोगकर्त्ता घटना से संबंधित फोटा या स्क्रीनशॉट भी अपलोड कर सकते हैं।
- सभी विवरण भरने के बाद सारांश पेज पर जानकारी की जांच कर सबमिट करना होगा, जिससे शिकायत 14C पोर्टल पर दर्ज हो जाएगी।

Newspaper of 16 May, 2026

■ भिवाड़ी में प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर स्थापित होगा; हर साल बनेंगी 6 करोड़ चिप; 2500 को मिलेगा रोजगार–

15 मई, 2026 को केन्द्रीय रेल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भिवाड़ी में प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर सहित एल्सीना इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स, 34 एमएलडी एसटीवी आदि का शिलान्यास एवं लोकार्पण करते हुए कहा कि भिवाड़ी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में 1200 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे करीब 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा। यहाँ प्रतिवर्ष 6 करोड़ चिप का निर्माण किया जाएगा। आज देश में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित हो चुके हैं और राजस्थान भी अब इस महत्त्वपूर्ण उद्योग से जुड़ गया है।

Newspaper of 17 May, 2026

■ मकान सूचीकरण एवं मकान गणना की शुरुआत–

राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकानसूचीकरण एवं मकानगणना) के अंतर्गत 'स्वगणना' (सेल्फ एन्यूमरेशन) का कार्य 1 मई, 2026 से 15 मई, 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है।

- इस प्रक्रिया में प्रदेश के लगभग 15 लाख परिवारों ने स्वयं अपनी सूचनाएँ दर्ज करने के विकल्प का उपयोग किया है। भारत में पहली बार मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल जनगणना की जा रही है।
- अधिसूचना के क्रम में, अब जनगणना का अगला चरण 16 मई से 14 जून तक संचालित किया जाएगा। जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे।
- जिन परिवारों ने स्व गणना की है, प्रगणक उनके द्वारा दी गई सूचनाओं की पुष्टि करेंगे एवं जिन परिवारों ने स्व गणना नहीं की है, उनसे प्रगणक सीधे प्रश्न पूछकर जानकारी पोर्टल पर दर्ज करेंगे।
- प्रगणक मकान की निर्माण सामग्री (फर्श, दीवार और छत) परिवार के मुखिया का विवरण, सदस्यों की कुल संख्या,

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

पेयजल, प्रकाश, शौचालय और रसोईघर (एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन) की उपलब्ध एवं संपत्ति और सुविधाएं जैसे टेलीविजन, इंटरनेट, लैपटॉप, वाहन (साइकिल, कार आदि), उपयोग किया जाने वाले मुख्य अनाज, संपर्क हेतु मोबाइल नंबर के संबंध में 33 प्रश्न पूछेंगे।

- आर्थिकी एवं सांख्यिकी निदेशालय के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए घर आने वाले जनगणना कर्मियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

Newspaper of 18 May, 2026

■ **हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा से प्रेरित होकर बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील में नवगठित राजस्व ग्राम का नाम 'सिंदूर नगर' रखा गया है। ऐसा आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रप्रेम और बलिदान की भावना जगाने के संकल्प के लिए किया गया है।**

गांव का नाम 'सिंदूर नगर' रखने का प्रस्ताव वीर सैनिकों के सम्मान और राष्ट्रीय चेतना को स्थायी पहचान देने के उद्देश्य से किया गया। गांव के प्रवेश द्वार पर तिरंगे के रंगों से सजी स्वागत पट्टिका भी लगाई गई है, जिस पर लिखा है– 'सिंदूर नगर : राष्ट्रभक्ति, शिक्षा और शौर्य की धरती'।

Newspaper of 19 May, 2026

■ **राजस्थान विधानसभा : नए प्रतीक चिह्न का विमोचन और 13 द्वारों का नामकरण–**

18 मई, 2026 को राजस्थान विधानसभा के 75वें स्थापना वर्ष (75th Anniversary) के अवसर पर विधानसभा के नए प्रतीक चिह्न का विमोचन और इसके 13 द्वारों का आधिकारिक नामकरण किया गया।

- **अशोक स्तंभ–**लोगो के शीर्ष पर सुशोभित है, जो सत्य और न्याय का प्रतीक है।
- **राज्य प्रतीक–**इसमें राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पुष्प रोहिड़ा, राज्य पशु ऊँट और राज्य पक्षी गोडावण को शामिल किया गया है।
- **ध्येय वाक्य–**विधानसभा भवन के रेखाचित्र के साथ इस लोगो पर 'राष्ट्रीय धर्मनिष्ठा विधायिका' का आत्म-मंत्र उकेरा गया है।
- **13 द्वारों का नया नामकरण**

  मुख्य आंतरिक द्वार–उत्तरी मुख्य द्वारा को कर्त्तव्य द्वार (राज्यपाल, सीएम, स्पीकर प्रवेश), दक्षिणी द्वार को शक्ति द्वार (जनता प्रवेश), पश्चिमी द्वार को सुशासन द्वार (विधायक प्रवेश), पूर्वी द्वार को संकल्प द्वार (अधिकारी प्रवेश) तथा उत्तरी मंदिर द्वार को शौर्य द्वार (विशिष्ट व्यक्ति प्रवेश) नाम दिया गया है।
- **बाहरी अंचल द्वार–**भवन के 8 बाहरी द्वारों का नामकरण राज्य के सांस्कृतिक अंचलों के आधार पर क्रमशः बृज, शेखावाटी, वागड़, मेवाड़, मारवाड़, हाड़ौती, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ द्वार किया गया है।

Newspaper of 21 May, 2026

■ **राजस्थान को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में विश्व स्तर पर प्रथम सम्मान मिला–**

राजस्थान ने तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा वर्ष 2026 के 'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड' के तहत राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया है।
- दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में राजस्थान को यह प्रतिष्ठित सम्मान डब्ल्यूएचओ द्वारा वर्ष 2025-26 में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर दिया गया है।

प्रदेश में 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र संचालित–

राज्य में ब्लॉक स्तर तक 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं।

- इन केन्द्रों को जियो-टैग कर आमजन की सुविधा के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति निकटतम केन्द्र तक आसानी से पहुँच सके।
- साथ ही 'सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003' तथा 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम-2019' के तहत प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

2.55 लाख जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तम्बाकू निषेध से जुड़े 60 हजार से अधिक संदेश, अपडेट्स शेयरिंग कर व्यापक स्तर पर अभियान चलाए गए।
- राज्य के 83 हजार से अधिक विद्यालयों में 'तम्बाकू मुक्त विद्यालय' संबंधी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराई गई तथा लगभग 2 लाख 55 हजार जनजागरूकता गतिविधियाँ जैसे नुक्कड़ नाटक, प्रतियोगिताएँ एवं रैलियाँ आदि का आयोजन किया गया।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

- तम्बाकू मुक्त ग्राम अभियान को भी प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है तथा इसे आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

Newspaper of 22 May, 2026

- **राजस्थान में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत हर जिले में एक सरकारी और एक निजी अस्पताल को मॉडल डिजिटल फैसिलिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। इन अस्पतालों में मरीजों का पूरा इलाज रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा, जिससे डॉक्टरों को उपचार में आसानी होगी और मरीजों का समय भी बचेगा। अस्पतालों में मरीजों की आभा आईडी बनाई जाएगी। मरीज मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इससे ओपीडी में इंतजार का समय कम होगा और इलाज प्रक्रिया तेज होगी।**

- **प्रथम 'गोडावण दिवस' मनाया गया; राज्य पक्षी के संरक्षण के लिए ऐतिहासिक पहल–**

21 मई, 2026 को प्रदेश के राज्य पक्षी और लुप्तप्राय प्रजाति गोडावण के संरक्षण को समर्पित पहला आधिकारिक 'गोडावण दिवस' मनाया गया।

इसका मुख्य उद्देश्य गोडावण के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।

मुख्य विवरण और गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ

- यह ऐतिहासिक आयोजन उत्कर्ष जैन भवन (जैसलमेर) में संपन्न हुआ।
- इसका आयोजन वन विभाग, राजस्थान द्वारा किया गया।
- वन मंत्री ने डेजर्ट नेशनल पार्क (मरु उद्यान) के सुदासरी (सम) क्षेत्र का दौरा कर गोडावण की विशेष मूर्तियों का अनावरण किया।

Newspaper of 23 May, 2026

- **राजस्थान कैबिनेट ने 'राज इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट पॉलिसी-2026' को मंजूरी दी; डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक सेंटर्स को उद्योग का दर्जा–**

मई, 2026 में राज्य कैबिनेट ने राजस्थान इंडस्ट्रियल डवलममेंट पॉलिसी-2026 को मंजूरी दे दी है। नई नीति में राजस्थान को बड़ा औद्योगिक हब बनाने का विजन रखा गया है। डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक सेंटर्स को अब उद्योग का दर्जा मिलेगा। हर जिले की आर्थिक पहचान होगी। सेमी कंडक्टर इको सिस्टम, एआई को अपनी उद्योग नीति में शामिल किया है। अब तक राज्य की पहचान खनिज, टेक्सटाइल और सीमेंट जैसे पारंपरिक उद्योगों से रही है, लेकिन इस बार सरकार ने हाईटेक उद्योगों पर फोकस किया है। पॉलिसी में सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने की योजना है।

उद्योग पॉलिसी की बड़ी बातें

- हाईटेक उद्योग पहली प्राथमिकता
- नए औद्योगिक पार्क विकसित होंगे
- एमएसएमई और ओडीओपी को बढ़ावा
- ग्रीन इंडस्ट्री और सर्कुलर इकोनॉमी पर जोर

Newspaper of 26 May, 2026

- **सीएम ने शुरू किया वंदे गंगा जन अभियान; प्रदेश में 11 दिन तक जल संरक्षण से जुड़े प्रोग्राम होंगे–**

25 मई, 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगादशमी पर बीसलपुर बांध से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की। अभियान में प्रदेशभर में जल संरक्षण व जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम होंगे। कुएँ-बावड़ी से लेकर पंचायत-चौपाल में पानी के संरक्षण व भूजल रिचार्ज की बातें होंगी। अभियान में सभी सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधि कार्यक्रमों में सहभागी बनकर जल संरक्षण से जुड़े कार्य करेंगे। 5 जून तक जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गांव-गांव में कुएँ, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई, श्रमदान, जल चौपाल, प्रभात फेरी, पौधारोपण तथा जागरूकता कार्यक्रम होंगे।

Newspaper of 27 May, 2026

- **राजस्थान की तीन हस्तियाँ पद्म पुरस्कार से सम्मानित–**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्म पुरस्कार सम्मान समारोह 2026 में देश की नामचीन हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस अवसर पर राजस्थान के तीन विशिष्ट व्यक्तियों (गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज) को भी वर्ष 2026 के पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया है।

गफरुद्दीन मेवाती जोगी–राजस्थान के डीग निवासी गफरुद्दीन मेवाती जोगी को मेवाती लोक संगीत और पारंपरिक लोक विधाओं को संरक्षित एवं विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

- वे पिछले कई दशकों से भपंग वादन की परंपरा को जीवित रखने में जुटे हुए हैं। उन्हें इस लोक शैली का अनूठा कलाकार माना जाता है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

- भपंग के साथ-साथ वे अलगोजा, चिकारा और जोगी सारंगी सहित करीब 12 पारंपरिक लोक वाद्य यंत्रों में निपुण हैं। उनकी प्रस्तुतियों में मेवात की लोक संस्कृति और इतिहास की झलक दिखाई देती है।
- गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने लंदन, पेरिस, कनाडा और फ्रांस सहित कई देशों में अपनी प्रस्तुतियाँ देकर भारतीय लोक संगीत को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। मेवाती संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किए जा चुके है।

तगाराम भील–भील समुदाय से आने वाले तगाराम भील राजस्थान के प्रसिद्ध अलगोजा वादकों में शामिल हैं। बचपन से ही उन्होंने लोक संगीत को अपनी साधना बना लिया और तीन दशकों से अधिक समय से आदिवासी लोक संगीत परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

- तगाराम भील अलगोजा के साथ-साथ मटका और बांसुरी जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों में भी दक्ष हैं। उन्होंने राजस्थान डेजर्ट फेस्टिवल सहित कई प्रमुख सांस्कृतिक आयोजनों में प्रस्तुति दी है।
- फ्रांस, अमेरिका, जापान, रूस और कई यूरोपीय देशों में अपनी प्रस्तुतियों और कार्यशालाओं के माध्यम से राजस्थान की आदिवासी लोक कला को वैश्विक पहचान दिलाई है।

स्वामी ब्रह्मदेव महाराज–श्रीगंगानगर के स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को समाज सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है।

- वे लंबे समय से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज कल्याण के कार्यों में सक्रिय हैं।
- विशेष रूप से दृष्टिबाधित और श्रवण बाधित बच्चों के लिए उनके योगदान को उल्लेखनीय माना जाता है।
- स्वामी ब्रह्मदेव महाराज ने श्री जगदंबा अंधविद्यालय की स्थापना की थी।
- यह संस्थान नेत्रहीन बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा, छात्रावास और देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराता है। इसके अलावा श्री जगदंबा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय की स्थापना कर जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं उपचार की व्यवस्था भी शुरू की।

Newspaper of 28 May, 2026

■ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमावर्ती गांवों का विकास होगा; सरहद के गांवों में सड़क, बिजली और नेटवर्क मजबूत होगा; 232 करोड़ रुपए से 515 कार्य शुरू, पाँच जिलों के गाँव शामिल किए गए–

केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-द्वितीय' के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। योजना में राजस्थान के पाँच सीमावर्ती जिलों के 184 रणनीतिक गांवों का चयन किया गया है। इनमें श्रीगंगानगर के 68, बीकानेर के 46, बाड़मेर के 36, जैसलमेर के 30 और फलौदी के 4 गाँव शामिल हैं। पहले चरण में 123 गाँव में 232 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 515 विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। इनमें सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, दूरसंचार, टीवी कनेक्टिविटी, पर्यटन, कौशल विकास और आजीविका से जुड़े कार्य शामिल हैं। प्रत्येक गांव में प्रतिवर्ष 3 करोड़ रुपए तक के विकास कार्य होंगे। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं परियोजना की मॉनिटरिंग करेंगे।

मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत भी पाँच सीमावर्ती जिलों के 1206 गाँवों के विकास के लिए प्रतिवर्ष 150 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, खेल, पर्यटन और आधारभूत ढांचे से जुड़े 137 करोड़ रुपए के एक हजार से अधिक कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं।

Newspaper of 31 May, 2026

■ जयपुर के धवल व जय शर्मा फोर्ब्स '30 अंडर 30 एशिया 2026' सूची में शामिल–

जयपुर के युवा उद्यमियों धवल जैन और जय शर्मा को प्रतिष्ठित 'फोर्ब्स अंडर 30 एशिया 2026' की सूची में शामिल किया गया है। दोनों ने बिहार के अमन कुमार के साथ मिलकर हेल्थटेक स्टार्टअप 'मेव हेल्थ' की स्थापना की है।

- इनका चयन फोर्ब्स की 'हेल्थकेयर एंड साइंस' श्रेणी में किया गया है।
- 'मेव हेल्थ' मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार (तनाव मुक्ति तकनीक) पर कार्य कर रहा है।
- उल्लेखनीय है कि तीनों उद्यमी देश के प्रतिष्ठित संस्थान बिट्स पिलानी के पूर्व छात्र हैं।

■ भरतपुर का 'अपना घर' गिनीज बुक में दर्ज किया गया–

हाल ही में मानवता और नि:स्वार्थ सेवा क्षेत्र में अपना घर आश्रम, भरतपुर ने एक नया इतिहास रचते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्जा करा लिया है। इस आश्रम को आधिकारिक तौर पर महिलाओं के लिए दुनिया का सबसे बड़ा आश्रय गृह घोषित किया गया है।

- भरतपुर के बझेरा स्थित इस आश्रम में कड़े भौतिक सत्यापन के बाद 3295 निराश्रित महिलाओं (आश्रम में 'प्रभुजी' नाम से संबोधित) के रहने की पुष्टि की गई।
- इससे पहले अमेरिका के मियामी स्थित 'लोटस हाउस वूमन शेल्टर' (लगभग 1500 महिलाएँ) दुनिया में सबसे बड़ा था।
- आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज हैं।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

■ **जयपुर एयरपोर्ट को 'ग्रीन एयरपोर्ट' का सम्मान मिला–**

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिष्ठित 'ग्रीन एयरपोर्ट्स रिकग्निशन 2026' में सिल्वर सम्मान प्राप्त किया है। यह सम्मान मई 2026 में बैंकॉक में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया।

- यह सम्मान एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) एशिया-पैसिफिक और मिडिल ईस्ट ने दिया।
- जयपुर एयरपोर्ट को यह सिल्वर रेटिंग 5 से 15 मिलियन वार्षिक यात्री श्रेणी में दी गई है।

■ **यूएई जैसलमेर में सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी नेटवर्क बनाएगा–**

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) सरकार राजस्थान के जैसलमेर में देश का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी हब स्थापित करने जा रही है।

- इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत ₹3 लाख करोड़ का विदेशी निवेश किया जाएगा, जो देश के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।
- परियोजना की कुल क्षमता 60000 मेगावाट होगी।
- इसके अंतर्गत सोलर, विंड, बैटरी स्टोरेज और बायोमास आधारित ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित होंगे।
- जैसलमेर में 1.50 लाख हेक्टेयर भूमि में मिनर्वा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बनाएगी।

■ **सरिस्का टाइगर रिजर्व में नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर की स्थापना हेतु एमओयू–**

मई 2026 में वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पशु कल्याण पहल 'टाको' (TACO-द एनिमल केयर ऑर्गेनाइजेशन) ने राजस्थान वन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके तहत सरिस्का बाघ अभयारण्य (अलवर) में 'अग्निवेश अग्रवाल नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर' (NIC) स्थापित किया जाएगा।

■ **जैसलमेर में कैराकल संरक्षण हेतु देश का पहला 'बकरी बैंक' अभियान शुरू किया जाएगा–**

दुर्लभ वन्यजीव कैराकल (सियागोश) को 'रिवेंज किलिंग' (बदले की भावना से हत्या) से बचाने के लिए जैसलमेर में देश का पहला 'बकरी बैंक' शुरू किया जाएगा।

- यह अभियान राज्य वन विभाग और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (WTI) की एक अनूठी संयुक्त परियोजना है।
- यदि कैराकल किसी पशुपालक के पशु का शिकार करता है, तो लंबी कागजी कार्रवाई के बजाय सीधे 'बकरी बैंक' से पीड़ित को एक नई स्वस्थ बकरी (Goat) सौंपी जाएगी।
- वर्तमान में पूरे देश में केवल 50 कैराकल शेष हैं, जिनमें से राजस्थान के जैसलमेर में मात्र 4 कैराकल होने की ही आधिकारिक पुष्टि हुई है। मैपिंग के बाद शुरुआती चरण में प्रत्येक बैंक में 25 स्वस्थ बकरियाँ रखी जाएँगी।

■ **राजस्थान विधानसभा परिसर में 'हर्बल वाटिका' एवं 'नक्षत्र वाटिका' का उद्घाटन–**

राजस्थान विधानसभा परिसर में पर्यावरण, आयुर्वेद और ज्योतिष विज्ञान के अनूठे संगम को दर्शाती 'हर्बल वाटिका' एवं 'नक्षत्र वाटिका' का भव्य लोकार्पण विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी द्वारा किया गया।

- नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है। इसे 5000 वर्ग मीटर क्षेत्र में अर्धचन्द्राकार स्वरूप में विकसित किया गया है, जहाँ प्रत्येक नक्षत्र से संबंधित विशिष्ट वृक्ष (जैसे कुचलना, आंवला, गूलर, पीपल आदि) रोपित किए गए हैं।
- हर्बल वाटिका लगभग 850 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित है। इस वाटिका में वैज्ञानिक पद्धति से 38 क्यारियाँ (आकार 8 × 13 फीट) बनाई गई हैं। इसमें 38 प्रकार की औषधीय प्रजातियों (तुलसी, सिट्रोनेला, पत्थरचट्टा, हड़जोड़ आदि) के पौधे लगाए गए हैं।

□□□

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

51 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

आगामी परीक्षाओं हेतु संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें

संजीव Telegram चैनल, App एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव App एवं वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

संजीव प्रकाशन — Join Our App

संजीव प्रकाशन — Join Our Telegram

प्रकाशक-संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com